जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया(उ0प्र0)

चयन आधारित क्रेडिट पद्धति (सी0बी0सी0एस0) के अनुसार

संगीत वादन (तबला)–पाठ्यक्रम

एम0ए0 (संगीत वादन–तबला) द्वि–वर्षीय

पाठ्यक्रम विवरणिका

शैक्षणिक सत्र–2022–2023 से प्रभावी

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया (उ0प्र0)

परास्नातक

पाठ्यक्रम (2022–2023)

संगीत वादन(तबला)

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया जनपद का गौरव है। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर जी के नाम पर इस विश्वविद्यालय की स्थापना सन 2016 में हुई। विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालय उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर है। विश्वविद्यालयीय गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकोष्ठों का गठन किया गया है। 'बलिया की विभूतियां' के नाम से बलिया के ख्यातिलब्ध व्यक्तियों का एक फोरम बनाया गया हैं जिसका उद्देश्य छात्रों को प्रेरित करना एवं विश्वविद्यालय के विकास में येागदान करना है।

संगीत वादन (तबला)–पाठ्यक्रम

लक्ष्य एवं उद्देश्य

सहृदयता मानवता का प्रधान गुण है। मनुष्य जब अपने मन की तरंगित भावनाओं को लयबद्धकर प्रस्तुत करता है, तो जड़ भी तरंगित होने लगता है। आधुनिक शोधों से स्पष्ट हो गया है कि संगीत के द्वारा विभिन्न रोगों का भी उपचार किया जा रहा है। संगीत जीवन में बंधुत्व एवं सहचर्य को प्रस्तुत करता है। प्राचीन साहित्य को देखने से पता चलता है कि राजाओं के दरबार में संगीत का उचित मान होता था। संगीत में मेघ मल्हार एक ऐसा राग है, जिसमें बारिश लाने की शक्ति है।

संगीत विषय की विशेषताएं–

प्रकृति की वे ध्वनियां जिन्होंने मनुष्य के मन–मस्तिष्क को स्पर्श कर उल्लसित किया, वही सभ्यता के विकास कें साथ संगीत का साधन बनीं। वर्तमान समय में भी संगीत एक ऐसा सशक्त माध्यम है, जो व्यक्ति की शारीरिक , मानसिक रोगों व व्याधियों से मुक्ति प्रदान करता है। संगीत की तीनों धाराएं (गायन, वादन व नृत्य) न केवल स्वर, ताल और लय की साधना है, बल्कि एक यौगिक क्रिया है। इससे शरीर, मन और प्राण तीनों शुद्ध होते हैं और उसमें चेतना जागृत होती हैं।

पाठ्यक्रम की संरचना

भाग	वर्ष	सेमेस्टर	
भाग–1	प्रथम वर्ष	सेमेस्टर प्रथम	सेमेस्टर द्वितीय
भाग–2	द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर तृतीय	सेमेस्टर चतुर्थ

- यह पाठ्यक्रम दो वर्ष एवं चार सेमेस्टर में विभाजित है।
- प्रथम प्रश्न पत्र संगीत के शास्त्र पक्ष से संबंधित होगा।
- द्वितीय प्रश्न पत्र संगीत के क्रियात्मक पक्ष से संबंधित होगा।
- तृतीय प्रश्न पत्र प्रायोगिक परीक्षा भाग–1 के अंतर्गत पाठ्यक्रम के तालों के प्रस्तुतिकरण से संबंधित होगा।
- चतुर्थ प्रश्न पत्र प्रायेागिक परीक्षा भाग–2 –तालों के शास्त्र एवं क्रियात्मक पक्ष से संबंधित मौखिक ज्ञान से (viva) होगा।
- पंचम प्रश्न पत्र – मंच प्रदर्शन का होगा।
- षष्ठम प्रश्न पत्र परियोजना कार्य से संबंधित होगा।

पाठ्यक्रम–परास्नातक

सेमेस्टर–प्रथम

S.No.	Paper	Name of paper	Course code	Teaching hours	Credit	Marks
1	I paper	भारतीय संगीत का इतिहास	MUSM101	60	4	100
2	II paper	ताल परिचय एवं सिद्धान्त	MUSM102	60	4	100
3	III Paper	प्रायोगिक परीक्षा–ताल प्रस्तुतिकरण	MUSM103	60	4	100
4	IV Paper	प्रायोगिक परीक्षा–2(तालों का विश्लेषणात्मक अध्ययन एवं मौखिक ज्ञान)	MUSM104	60	4	100
5	V paper	मंच प्रदर्शन	MUSM105	120	4	100
6	VI Paper	रिसर्च प्रोजेक्ट	MUSM106	120	4	(To be evaluated at the end of 2nd Sem.)
7	One Minor Elective paper			60	4/5	100

	from other faculty in Ist or 2nd Semester					
			TOTAL	540	28/29	600

सेमेस्टर–द्वितीय

S.No.	Paper	Name of paper	Course code	Teaching hours	Credit	Marks
1	I paper	सौन्दर्य शास्त्र एवं सांगीतिक विज्ञान	MUSM201	60	4	100
2	II paper	ताल परिचय एवं सिद्धान्त	MUSM202	60	4	100
3	III Paper	प्रायोगिक परीक्षा–1–ताल प्रस्तुतिकरण	MUSM203	60	4	100
4	IV Paper	प्रायोगिक परीक्षा–2(तालों का विश्लेषणात्मक अध्ययन एवं मौखिक ज्ञान)	MUSM204	60	4	100
5	V paper	मंच प्रदर्शन	MUSM205	120	4	100
6	VI Paper	रिसर्च प्रोजेक्ट	MUSM206	120	4	Research project 1 + Research project-2 in

						the Form of Dissertation 100
			TOTAL	480	24	600
			Sub Grand Total	1020	52/53	1200

पाठ्यक्रम – परास्नातक (अंतिम वर्ष)

सेमेस्टर–तृतीय

S.No.	Paper	Name of paper	Course code	Teaching hours	Credit	Marks
1	I paper	भारतीय तथा पाश्चात्य संगीत	MUSM301	60	4	100
2	II paper	तालों का तुलनात्मक अध्ययन	MUSM302	60	4	100
3	III Paper	प्रायोगिक परीक्षा–1–ताल प्रस्तुतिकरण	MUSM303	60	4	100
4	IV Paper	प्रायोगिक परीक्षा–2(तालों का विश्लेषणात्मक अध्ययन एवं मौखिक ज्ञान)	MUSM304	60	4	100
5	V paper	मंच प्रदर्शन	MUSM305	120	4	100

6	VI Paper	रिसर्च प्रोजेक्ट	MUSM306	120	4	To be evaluated at the end of 4th Semester
			TOTAL	480	24	500

सेमेस्टर–चतुर्थ

S.No.	Paper	Name of paper	Course code	Teaching hours	Credit	Marks
1	I paper	भारतीय संगीत पद्धति	MUSM401	60	4	100
2	II paper	ताल सिद्धान्त	MUSM402	60	4	100
3	III Paper	प्रायोगिक परीक्षा–1–ताल प्रस्तुतिकरण	MUSM403	60	4	100
4	IV Paper	प्रायोगिक परीक्षा–2(तालों का विश्लेषणात्मक अध्ययन एवं मौखिक ज्ञान)	MUSM404	60	4	100
5	V paper	मंच प्रदर्शन	MUSM405	120	4	100
6	VI Paper	रिसर्च प्रोजेक्ट	MUSM406	120	4	Research project 1 + Research project-2 in

						the Form of Dissertation 100
			TOTAL	480	24	600
			Sub Grand Total of PG Prev.	960	48/49	1100
			Grand Total	1980	100/101	2300

परास्नातक उपाधि कार्यक्रम

विषय– संगीत वादन (तबला)

प्रथम सेमेस्टर– प्रथम प्रश्न पत्र

शीर्षक– भारतीय संगीत का इतिहास

प्रश्न पत्र कोड– MUSM101 अधिकतम अंक–100

उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को भारतीय संगीत के इतिहास पक्ष से परिचित कराना।
2. संगीत के विभिन्न ग्रन्थों की जानकारी प्रदान करना।
3. भारतीय संगीत के रचनाकारों, ग्रन्थकारें एवं संगीतकारों के योगदान का वृहद अध्ययन करना।
4. हाथ की तैयारी हेतु अभ्यास कराना।
5. विद्यार्थियों को संगीत की गायन शैलियों के साथ संगत करने की क्षमता का विस्तार कराना।

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान अवधि(60 घंटे)
यूनिट–1	प्राचीन, मध्यकालीन तथा आधुनिक भारतीय संगीत के इतिहास का विस्तृत	16

	एंवं तुलनात्मक अध्ययन	
यूनिट–2	संगीत के ग्रन्थों का अध्ययन नाट्यशास्त्र, संगीत रत्नाकर, वृहद्देशी, नारदीय शिक्षा	14
यूनिट–3	मार्गी एवं देशी ताल	14
यूनिट–4	भारतीय संगीत के रचनाकारों एंव ग्रन्थकारों के सांगीतिक योगदान का वृहद् अध्ययन –अमीर खुसरो, शारंगदेव, महोवल, लोचन, पुण्डरीक बिठुल, रामामात्य, तानसेन, स्वामी हरिदास, व्यंकटमखी	16

प्रथम सेमेस्टर– द्वितीय प्रश्न पत्र

शीर्षक– ताल परिचय एवं सिद्धान्त

प्रश्न पत्र कोड– MUSM102 अधिकतम अंक–100

उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के तालों का ज्ञान प्रदान करने के साथ मार्गी एवं देशी तालों का अध्ययन करना।
2. लय एवं लयकारियों का अध्ययन ।
3. तबले के पारिभाषित शब्दों से अवगत कराना।
4. विभिन्न तबला–वादकों के सांगीतिक योगदान का अध्ययन करना।

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान अवधि(60 घंटे)
यूनिट–1	पाठ्यक्रम के सभी तालों का पूर्ण शास्त्रीय परिचय	16
यूनिट–2	निम्नलिखित का परिचय–	14

	कायदा, मुखड़ा,तिहाई, पलटा, चक्रदार, परन, ढाल, रेला आदि	
यूनिट–3	ल्य एवं लयकारी– 3/2, 5/4, 4/5, 4/3	14
यूनिट–4	संगीतकारों का जीवन परिचय व कार्य शैली– उस्ताद मुन्नें खाँ, पण्डित राम सहाय, पण्डित अनोखे लाल, उस्ताद अल्लादिया खाँ, पण्डित सामता प्रसाद(गुदई महाराज), पंण्डित रविशंकर का सांगीतिक योगदान	16

प्रथम सेमेस्टर– तृतीय प्रश्न पत्र

शीर्षक– प्रायोगिक परीक्षा–1 (ताल प्रस्तुतिकरण)

प्रश्न पत्र कोड– MUSM103 अधिकतम अंक–100

उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के तालों का ज्ञान प्रदान करने के साथ वादन का अभ्यास कराना।
2. विभिन्न घरानों के कायदों का ज्ञान एवं अभ्यास कराना।
3. तबले पर बजने वाले विभिन्न चीजों (उठान, पेशकारा, रेला आदि) का अध्ययन कराना।

विषयवस्तु–

क्रम	शीर्षक	व्याख्यान अवधि
1	उठान, पेशकार, कायदा, रेला, तिहाई, गत, परम, टुकड़ा, चक्रदार, फरमाईशी,	

	कमाली, तिपल्ली, दुपल्ली, चौपल्ली, वेदम चक्रदार, मुखड़ा तथा मोहरा का प्रयोगात्मक अध्ययन	
2	11 मात्रा की ताल तथा 9 मात्रा की ताल में पेशकार, कायदा, रेला, टुकड़ा, चक्रदार, टुकड़ागत	
3	विभिन्न घरानों के कायदों का ज्ञान	
4	अपने वाद्यों के मिलाने की क्षमता	
5	गायन शैलियों के संगत की क्षमता	
6	हाथ की तैयारी(हाथ पर लयकारी करने का ज्ञान)	

नोटः प्रायेागिक परीक्षा–1 प्रस्तुतिकरण से संबंधित है। विद्यार्थियों को वादन, में दक्षता होनी चाहिए।

प्रथम सेमेस्टर– चतुर्थ प्रश्न पत्र

शीर्षक– प्रायेागिक परीक्षा–2(तालों का विश्लेषणात्मक अध्ययन एवं मौखिकी)

प्रश्न पत्र कोड– MUSM104 अधिकतम अंक–100

उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों के शास्त्र एवं क्रियात्मक पक्ष के मौखिक ज्ञान को परिष्कृत कराना।
2. विद्यार्थियों के सांगीतिक कौशल में अभिवृद्धि कराना।

नोटः इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों से समस्त पाठ्यक्रम (शास्त्र एवं क्रियात्मक पक्ष) से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगें।

प्रथम सेमेस्टर– पंचम प्रश्न पत्र

शीर्षक– मंच प्रदर्शन

प्रश्न पत्र कोड– MUSM105 अधिकतम अंक–100

उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को मंच प्रदान करना जिससे उनके कौशल और आत्मविश्वास की अभिवृद्धि हो सके।
2. विद्यार्थियों के मंचगत कौशल में अभिवृद्धि कराना।

नोटः इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम से संबंधित विषयवस्तु का प्रस्तुतिकरण देना होगा।

परास्नातक उपाधि कार्यक्रम

विषय– संगीत वादन (तबला)

द्वितीय सेमेस्टर– प्रथम प्रश्न पत्र

शीर्षक– सौन्दर्य शास्त्र एवं सांगीतिक विज्ञान

प्रश्न पत्र कोड– MUSM201 अधिकतम अंक–100

उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को संगीत के सौन्दर्य के सिद्धान्त से परिचित कराना।
2. भारतीय संगीत में रस एवं छन्द का स्थान अवगत कराना।
3. गमक एवं काकू भेद ज्ञान।

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान अवधि(60 घंटे)
यूनिट–1	सौन्दर्य के सिद्धान्त	16
यूनिट–2	रस एवं भारतीय संगीत में उसका	14

	स्थान	
यूनिट–3	भारतीय संगीत में छन्द	14
यूनिट–4	संगीत रत्नाकर के अनुसार गमक तथा काकु भेद	16

द्वितीय सेमेस्टर– द्वितीय प्रश्न पत्र

शीर्षक– ताल परिचय एवं सिद्धान्त

प्रश्न पत्र कोड– MUSM202 अधिकतम अंक–100

उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के समस्त तालों का परिचय कराना।
2. विभिन्न गायन शैलियां जैसे ध्रुपद, धमाल, ख्याल आदि के साथ बजने वाले तालों का अध्ययन करना।
3. पाश्चात्य ताल पद्धति का ज्ञान ।
4. अवनद्य वाद्यों का परिचय एवं उनके प्रकारों का अध्ययन।

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान अवधि(60 घंटे)
यूनिट–1	पाठ्यक्रम के तालों का पूर्ण शास्त्रीय परिचय	16
यूनिट–2	तबले की उत्पत्ति का विकास तथा अवनद्य वाद्यों में इसका स्थान	14
यूनिट–3	तबला तथा पखावज	14
यूनिट–4	वाद्य (तबला) का पूर्ण अध्ययन, इसको मिलाने का ज्ञान	16

द्वितीय सेमेस्टर– तृतीय प्रश्न पत्र

शीर्षक– प्रायोगिक परीक्षा–1 ताल प्रस्तुतिकरण

प्रश्न पत्र कोड– MUSM203 अधिकतम अंक–100

उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के तालों का ज्ञान प्रदान करने के साथ वादन का अभ्यास कराना।
2. विभिन्न घरानों के कायदों का ज्ञान एवं अभ्यास कराना।
3. तबले पर बजने वाले विभिन्न चीजों (उठान, पेशकारा, रेला आदि) का अध्ययन कराना।
4. उपशास्त्रीय संगीत के साथ संगत करने की क्षमता का विस्तार करना।
5. लयकारी प्रदर्शन ।

क्रमांक	शीर्षक	व्याख्यान अवधि(60 घंटे)
1	झूमरा ताल, पंचम सवारी, तिलवाड़ा, लक्ष्मी तथा शिक्षर ताल में पूर्ण वादन विधि– उठान, पेशकार, कायदा, रेला, तिहाई, गत, परन, टुकड़ा, चक्रदार, फरमाइजी, कमाली, तिपल्ली, दुपल्ली, चौपल्ली, बेदम चक्रदार, मुखड़ा तथा मोहरा	
2	उपर्युक्त किसी एक ताल में तिस्त्र तथा मिश्र जाति की एक गत	
3	विभिन्न घरानों के कायदों का ज्ञान	
4	अपने वाद्य को मिलाने की क्षमता के	

	संगत की क्षमता	
5	उपशास्त्रीय संगीत के संगत की क्षमता	
6	हाथ की तैयारी (हाथ पर लयकारी प्रदर्शन)	

नोटः प्रायेागिक परीक्षा–1 प्रस्तुतिकरण से संबंधित है। विद्यार्थियों को वादन, में दक्षता होनी चाहिए।

द्वितीय सेमेस्टर– चतुर्थ प्रश्न पत्र

शीर्षक– प्रायेागिक परीक्षा–2 तालों का विश्लेषणात्मक अध्ययन एवं मौखिक ज्ञान

प्रश्न पत्र कोड– MUSM204 अधिकतम अंक–100

उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों के शास्त्र एवं क्रियात्मक पक्ष के मौखिक ज्ञान को परिष्कृत कराना।
2. विद्यार्थियों के सांगीतिक कौशल में अभिवृद्धि कराना।

नोटः इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों से समस्त पाठ्यक्रम (शास्त्र एवं क्रियात्मक पक्ष) से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगें।

द्वितीय सेमेस्टर– पंचम प्रश्न पत्र

शीर्षक– मंच प्रदर्शन

प्रश्न पत्र कोड– MUSM205 अधिकतम अंक–100

उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को मंच प्रदान करना जिससे उनके कौशल और आत्मविश्वास की अभिवृद्धि हो सके।
2. विद्यार्थियों के मंचगत कौशल में अभिवृद्धि कराना।

नोटः इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम से संबंधित विषयवस्तु का प्रस्तुतिकरण देना होगा।

परास्नातक उपाधि कार्यक्रम

विषय– संगीत वादन (तबला)

तृतीय सेमेस्टर– प्रथम प्रश्न पत्र

शीर्षक– भारतीय तथा पाश्चात्य संगीत

प्रश्न पत्र कोड– MUSM301 अधिकतम अंक–100

उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को पाश्चात्य तथा भारतीय ताल वाद्यों से परिचित कराना।

2. ग्राम, मूर्च्छना तथा प्रबन्ध एवं उसके प्रकारों का अध्ययन कराना।
3. स्टाफ नोटेशन, पाश्चात्य स्वरलिपि पद्धति का अध्ययन कराना।

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान अवधि(60 घंटे)
यूनिट–1	प्रबन्ध तथा उसके प्रकार	16
यूनिट–2	ग्राम तथा मूर्छना	14
यूनिट–3	स्टाफ नोटेशन	14
यूनिट–4	पाश्चात्य तथा भारतीय ताल वाद्य	16

तृतीय सेमेस्टर– द्वितीय प्रश्न पत्र

शीर्षक– तालों का तुलनात्मक अध्ययन

प्रश्न पत्र कोड– MUSM302 अधिकतम अंक–100

उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को तबले के विषय वस्तु का अध्ययन एवं तबला मिलाने का ज्ञान कराना।
2. पखावज वाद्य का परिचय एवं पाठ्यक्रम के तालों का सम्पूर्ण अभ्यास कराना।
3. अपने वाद्य(तबला) की उत्पत्ति एवं अवनद्य वाद्यों में इसके स्थान ज्ञानादि की जानकारी कराना।

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान अवधि(60 घंटे)
यूनिट–1	पाठ्यक्रम के तालों का पूर्ण शास्त्रीय परिचय	16
यूनिट–2	तबले की उत्पत्ति का विकास तथा अवनद्य वाद्यों में इसका स्थान	14

यूनिट–3	तबला तथा पखावज	14
यूनिट–4	वाद्य(तबला) का पूर्ण अध्ययन, इसको मिलाने का ज्ञान	16

तृतीय सेमेस्टर– तृतीय प्रश्न पत्र

शीर्षक– प्रायोगिक परीक्षा भाग–1– ताल प्रस्तुतिकरण

प्रश्न पत्र कोड– MUSM303 अधिकतम अंक–100

उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के तालों का ज्ञान प्रदान करने के साथ वादन एवं पखावज के तालों का अभ्यास कराना।
2. तबले पर बजने वाले विभिन्न चीजों (उठान, पेशकारा, रेला आदि) का अध्ययन कराना।
3. विद्यार्थियो को विलम्बित ठेके के वादन का अभ्यास कराना ताकि वे ख्याल गायन शैली के साथ संगत करने में सक्षम हो सकें।
4. विद्यार्थियों को संगत हेतु हारमोनियम पर नगमे का अभ्यास कराना।

विषय वस्तु–

क्रमांक	शीर्षक	व्याख्यान अवधि(60 घंटे)
1	जत, सत्रह मात्रा, लक्ष्मी, रूद्र तथा वसंत ताल में– उठान, पेशकार, कायदा, रेला, तिहाई, गत, परन, टुकड़ा, चक्रदार, फरमाइशी, कमाली, दुपल्ली, तिपल्ली, चौपल्ली, बेदम चक्रदार, एकहत्थी, मुखड़ा तथा मोहरा	

2	विष्णु नारायण भातखण्डे तथा विष्णु दिगम्बर पलुस्कर संगीत पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन	
3	भारतीय ताल वाद्य –वर्गीकरण	
4	शास्त्रकारों तथा वाद्यकारों का वृद्ध जीवन परिचय– उस्ताद सिद्धार खां, उस्ताद मोदू खां, उस्ताद बख्शू खां, पण्डित अनोखे लाल, उस्ताद अल्लादिया खां, उस्ताद जाकिर हुसैन, पण्डित निखिल बनर्जी	

नोटः प्रायेागिक परीक्षा–1 प्रस्तुतिकरण से संबंधित है। विद्यार्थियों को वादन, में दक्षता होनी चाहिए।

तृतीय सेमेस्टर– चतुर्थ प्रश्न पत्र

शीर्षक– प्रायोगिक परीक्षा भाग–2–(तालों का विश्लेषणात्मक अध्ययन एवं मौखिक ज्ञान)

प्रश्न पत्र कोड– MUSM304 अधिकतम अंक–100

उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों के शास्त्र एवं क्रियात्मक पक्ष के मौखिक ज्ञान को परिष्कृत कराना।
2. विद्यार्थियों के सांगीतिक कौशल में अभिवृद्धि कराना।
3. विद्यार्थियों के संगत कौशल में परिपूर्णता एवं वृद्धि कराना।
4. विद्यार्थियों में लय एवं लयकारियों की समझ विकसित कराना।

नोटः इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों से समस्त पाठ्यक्रम (शास्त्र एवं क्रियात्मक पक्ष) से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगें।

तृतीय सेमेस्टर– पंचम प्रश्न पत्र

शीर्षक– मंच प्रदर्शन

प्रश्न पत्र कोड– MUSM305 अधिकतम अंक–100

उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को मंच प्रदान करना जिससे उनके कौशल और आत्मविश्वास की अभिवृद्धि हो सके।
2. विद्यार्थियों के मंचगत कौशल में अभिवृद्धि करने के साथ साथ उन्हें एकल एवं युगल संगत में निपुण करना।

नोटः इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम से संबंधित विषयवस्तु का प्रस्तुतिकरण देना होगा।

परास्नातक उपाधि कार्यक्रम

विषय– संगीत वादन (तबला)

चतुर्थ सेमेस्टर– प्रथम प्रश्न पत्र

शीर्षक– भारतीय संगीत पद्धति

प्रश्न पत्र कोड– MUSM401 अधिकतम अंक–100

उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को भारतीय स्वरलिपि पद्धतियों का ज्ञान कराना।
2. वाद्य वर्गीकरण की जानकारी प्रदान करने के साथ साथ दक्षिणी ताल पद्धति का अध्ययन करना।
3. विद्यार्थियों को तबले के शास्त्रकारों एवं वाद्यकारों के जीवन परिचय एवं उनके योगदान के बारे में ज्ञान कराना।

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान अवधि(60 घंटे)
यूनिट–1	दक्षिणी ताल पद्धति	16
यूनिट–2	विष्णु नारायण भातखण्डे तथा विष्णु दिगम्बर पलुस्कर संगीत पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन	14
य1निट–3	भारतीय ताल वाद्य–वर्गीकरण	14
यूनिट–4	शास्त्रकारों तथा वाद्यकारों का वृद्ध जीवन परिचय– उस्ताद सिद्धार खां, उस्ताद मोदू खां, उस्ताद बख्शू खां, पण्डित अनोखे लाल, उस्ताद अल्लादिया खां, उस्ताद जाकिर हुसैन, पण्डित निखिल बनर्जी	16

चतुर्थ सेमेस्टर– द्वितीय प्रश्न पत्र

शीर्षक– ताल सिद्धान्त

प्रश्न पत्र कोड– MUSM402 अधिकतम अंक–100

उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को तबले के विभिन्न घरानों के बारे में जानकारी प्रदान करना।
2. पाठ्यक्रम के तालों के साथ साथ प्राचीन एवं आधुनिक तालों का तुलनात्मक अध्ययन कराना।
3. छन्द एवं उसके प्रकारों का वर्णन।

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान अवधि(60 घंटे)
यूनिट–1	तबले के विभिन्न घरानों का विस्तृत अध्ययन	16
यूनिट–2	पाठ्यक्रम के तालों का पूर्ण शास्त्रीय परिचय	14
यूनिट–3	प्राचीन एवं आधुनिक तालों का तुलनात्मक अध्ययन	14
यूनिट–4	छन्द तथा उसके प्रकार– मात्रिक, वर्णिक, मुक्तक तथा ताल व छन्द का सम्बन्ध	16

चतुर्थ सेमेस्टर– तृतीय प्रश्न पत्र

शीर्षक– प्रायोगिक परीक्षा–1–ताल प्रस्तुतिकरण

प्रश्न पत्र कोड– MUSM403 अधिकतम अंक–100

उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर के सम्पूर्ण तालों के ज्ञान का पुनर्भ्यास कराना।
2. तबले पर बजने वाले विभिन्न चीजों (उठान, पेशकारा, रेला आदि) का अध्ययन कराना।
3. विद्यार्थियो को विलम्बित ठेके के वादन का अभ्यास कराना ताकि वे ख्याल गायन शैली के साथ संगत करने में सक्षम हो सकें।
4. विद्यार्थियों को संगत हेतु हारमोनियम पर नगमे का अभ्यास कराना।
5. विद्यार्थियों में संगत करने की पूर्ण दक्षता का विकास करना।
6. अपने वाद्य (तबले) की जानकारी के साथ साथ हारमोनियम पर नगमे का ज्ञान एवं नृत्य (कत्थक) के साथ संगत करने की क्षमता का विकास करना।
7. विद्यार्थियो में ठुमरी, दादरा, गजल आदि उप शास्त्रीय संगीत के साथ संगत करने की क्षमता का विस्तार करना।

विषय वस्तु–

क्रमांक	शीर्षक	व्याख्यान अवधि(60 घंटे)
1	पश्तो, गजझम्पा, बड़ी सवारी, एकताल, गणेश ताल में– उठान, पेशकार, कायदा, रेला, तिहाई, गत, पस, टुकड़ा, चक्रदार, फरमाइशी, कमाली, दुपल्ली, तिपल्ली, चौपल्ली, बेदम चक्रदार, एकहत्थी मुखड़ा तथा मोहरा	

2	प्रथम, द्वितीय, तृतीय सेमेस्टर की तालों में– कायदा, रेला गत, टुकड़ा, परन, चक्रदार	
3	ठुमरी दादरा, गजल, भजन के संगत की क्षमता	
4	लग्गीलड़ी की क्षमता (दादरा तथा कहरवा ताल में)	
5	नृत्य के साथ संगत की क्षमता (कत्थक)	
6	अपने वाद्य को मिलाने का ज्ञान	
7	ळारमोनियम पर नगमे का ज्ञान	

चतुर्थ सेमेस्टर– चतुर्थ प्रश्न पत्र

शीर्षक– प्रायोगिक परीक्षा भाग–2–(तालों का विश्लेषणात्मक अध्ययन एवं मौखिक ज्ञान)

प्रश्न पत्र कोड– MUSM404 अधिकतम अंक–100

उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों के शास्त्र एवं क्रियात्मक पक्ष के मौखिक ज्ञान को परिष्कृत कराना।
2. विद्यार्थियों के सांगीतिक कौशल में अभिवृद्धि के साथ उन्हें संगत में निपुण करना।
3. विद्यार्थियों के संगत कौशल में परिपूर्णता एवं वृद्धि कराना।
4. विद्यार्थियों में लय एवं लयकारियों की समझ विकसित कराना।
5. विद्यार्थियों को शास्त्रीय तथा उप शास्त्रीय शैलियों के साथ संगत में पारंगत करना।
6. हारमोनियम पर लहरे, नगमों का सम्पूर्ण ज्ञान।

नोटः इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों से प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर के समस्त पाठ्यक्रम (शास्त्र एवं क्रियात्मक पक्ष) से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगें।

चतुर्थ सेमेस्टर– पंचम प्रश्न पत्र

शीर्षक– मंच प्रदर्शन

प्रश्न पत्र कोड– MUSM405 अधिकतम अंक–100

उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को मंच प्रदान कर उन्हें पारंगत करना एवं अपने वाद्य से संबंधित समस्त तकनीकी जानकारियों का अवबोध करना।
2. विद्यार्थियों के मंचगत कौशल में अभिवृद्धि करने के साथ साथ उन्हें संगत में निपुण करना।
3. विद्याथी अपने वाद्य(तबला) में दक्षता प्राप्त कर, पाठ्यक्रम के विषयवस्तु की समस्त जानकारी प्राप्त कर सकें।

नोटः इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम से संबंधित विषयवस्तु का प्रस्तुतिकरण देना होगा। विद्यार्थियों को सेमेस्टर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की जानकारी होना भी आवश्यक है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

ग्रन्थ / पुस्तक	ग्रन्थकार / लेखक
1. क्रमिक पुस्तक मलिका भाग–1,2,3,4	वी0एन0 भातखण्डे
2. भारतीय संगीत वाद्य	डॉ0 लालमणि मिश्र
3. भारतीय संगीत का ऐतिहासिक विश्लेषण	प्रो0 स्वतन्त्र शर्मा
4. पाश्चात्य स्वरलिपि पद्धति एवं	प्रो0 स्वतन्त्र शर्मा

भारतीय संगीत	
5. हिन्दी भक्ति काव्य एवं गायन संगीत	डा0 इमा श्रद्धेय
6. राग परिचय भाग–3,4	
7. ताल परिचय भाग 3,4	प्रो0 गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव
8. नाट्यशास्त्र –ताल तथा तालवाद्य	डॉ0 इच्छालाल नायर
9. तबला का उदगम, विकास और वादन शैलियां	योगमाया शुक्ल
10. अभिनव गीतांजलि भाग–1,2,3,4	
11. भारतीय संगीत वैज्ञानिक विश्लेषण	प्रो0 स्वतन्त्र शर्मा
12. घरानेदार गायकी	वामन राव देशपाण्डेय
13. भारतीय संगीत शास्त्र	
14. सौन्दर्य शास्त्र	डॉ0 नागेन्द्र
15. ध्वनि और संगीत	एल0के0 सिंह